

उग्रः अनुक्रमा	uppl T &
2	1-5
ंडॉ. देविंदर कौर	6-10
र निरं कीर जागणा	11-15
.सुशील कुमार आज़ाद	16-20
.डॉ. केशव देव	21-25
.प्रो.वीणा कुमारी	
मोहिंदर सिंह जग्गी	26-30
-सरिता नोहरिया	31-35
निलेनी उप्पल	36-40
•डॉ. विनीता सहल	41-45
•मंजीत कौर खाक	46-50
शैली वाधवा	51-55
·जागृति गौर	56-60
•सुनील कुमारी शर्मा	61-65
्डॉ. ललिता जैन	66-70
•इंदु गुप्ता	71-75
•डॉ. रविंदर भाटिया	76-80
∙नरेंदर सिंह "नदीम" (यू.एस.ए)	81-85
·डॉ. जगमोहन सिंह (कनाडा)	85-90
∙जसप्रीत कौर "प्रीत"	91-95
·सुषमा सुभ्वाल	96-100
·नीता एहसास	101-105
·निधि मधेसिया	106110
भोना चोपड़ा	111-115
·डॉ. मीनू सुखमन ·बेनु सतीश कान्त	116-120
·डॉ. मंजू मिड्डा	121-125
'कमला शर्मा	126-130
'किरण सिंघला	131-135
'अंजू वी. रत्ती	136-140
'कमालिजोत स्वर्धा	141-145
ंजैसमीन सिंह	ज्ञान रेगि 151-155 है।
8	Principal
Emos.	Govt, Ripudaman College NABHA



# हॉ. ललिता जैन

नाम – डॉ. लिता जैन (सहायक प्रो. यूथ कोऑर्डिनेटर ) सितार वादक, शिक्षक एवं कवियत्री जन्म – १८ जनवरी १९७५

गुरु – श्रीमती शविंदर कौर गिल (सैनी घराना )

प्रोफेसर डॉ. देवेंदर कौर(प्रोफेसर ,म्युजिकोलोजिस्ट, एजुकेसनिस्ट & पोएटेस)

शिक्षा - एम. ए. संगीत वादन (स्वर्ण पदक ) नेट पीएचडी (गुरमति संगीत )

शिक्षण - खालसा कोलेज लुधियाना, खालसा कॉलेज सिधवा खुर्द सरकारी रिपुदमन कॉलेज नाभा २००१ से वर्तमान तक कार्यरत

उपलब्धियां – राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय खोज पत्र प्रकाशित सितार वादन इन वर्ल्ड कल्चरल फेस्टिवल ओर्गानाइजड बाई आर्ट ऑफ़ लिविंग यूट्यूब पर क्लासिकल राग लाइट धुन सितार वादन काव्यांजली काव्य संकलन, लिली पत्रिका (वार्षिक) स्वाभिमान ई पत्रिका (मासिक) में रचनाये प्रकाशित है वेविंग ड्रीम काव्य गोष्ठी 4 में स्वरचित काव्य पठन काव्य के रंग 7 स्वरचित पठन

सम्मान – श्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार ( विदया भारती मलेरकोटला इकाई द्वारा)

जोनल और इन्टरजोनल युवा उत्सव सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए साभार सम्मान पुरस्कार व अन्य कई सम्मान

संपर्क - जी -०४/०४४४ न्यू गुरु नानक कालोनी रेलवे रोड्ड मूलैरकोटला पंजाब

Govt. Ripudaman College



### मोहब्बत का पैगाम

मोहब्बत है मेरा पैगाम मेरी जिन्दगी इसके नाम वफा जिस नजर में भी हो मेरा उस नजर को सलाम

हवाएं जो मुझको छुए मेरी खुसबू ले वो उड़े मिलाये जो मुझसे नजर वह नाचेंगी हर फूल पर

मोह्हबत का पैगाम मे देती हूँ हर मोड़ पर हो चाहे ख़ुशी या गम हस्ते रहो हर डगर

नफरत की ज़ंजीर में हम न कभी जकडेगे खाओं कसम ये सभी हम न कभी झगड़ेंगे

प्यार और अमन से जियो कहता है ये हिन्दोस्तान मिल के चलो हम जवा फिर ही मिलेगा मुकाम

Govt. Ripudaman College NABHA







#### नज्म

जिंदगी हर किसी की सहारा नहीं देती कश्ती हर किसी को किनारा नहीं देती

मत उम्मीद लगा किसी रात की रात हर किसी को सितारा नहीं देती

ए दिल कभी तू भूल के सपना न देखना जिन्दगी हर सपने का नज़ारा नहीं देती

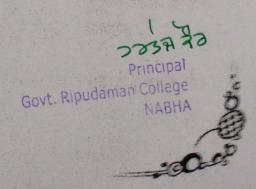
ए दिल किसी से प्यार मत बढ़ाना जिन्दगी हर किसी को उसका प्यारा नहीं देती

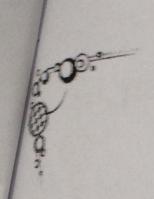
कोई पृष्ठे किस्मत से, क्यों बार-बार तड़पाती है

एक ही बार में गम क्यों सारा नही देती

किस्मत में सबसे छिना , फिर वापस दे दिया क्यों इससे सब कुछ छीन कर दुबारा नहीं देती







### हमसफ़र

ये नया सफ़र और आपकी नजर कहे किस कदर की हमे भी जरा-जरा प्यार हो चला

डरे भी मगर कहे भी जिगर लगे न खबर की हमे ज़रा-जरा प्यार हो चला

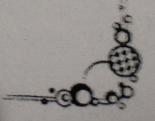
फिर वे सबर चली जब डगर लगी तब खबर कि उन्हें जरा जरा प्यार हो चला

हसीं है सफ़र कहे कर सबर यकीं है अगर कि उन्हें भी जरा-जरा प्यार हो चला|

क्रम देव

ੰਪ੍ਰੰ<mark>ਸੀਪਲ</mark> ਸਰਕਾਰੀ ਰਿਪੁਦਮਨ ਕਾਲਜ ਨਾਭਾ





## लेकिन!

लेकिन उन्हें मंज़ूर नही अपनी तारीफ सुनना लेकिन! पूछती भी है उनकी नज़रे कि इस दिल मे क्या है लेकिन! सुनना भी नही चाहते अपनी तारीफ

> अब दिल करे तो क्या कहे तो क्या जले तो किस हद तक बहे तो किस ओर

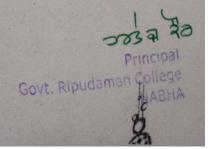
वह बेध नही सकते यह उलझन का कांटा वह सुन नही सकते मेरी दिल की हालत

वह ला नही सकते इस नगमे में लय वह बन नही सकते

इस जख्म की दवा

क्योंकि उन्हें मंज़ूर नही अपनी तारीफ सुनना

लेकिन पूछती भी है उनकी नज़रे की एस दिल में क्या है......





Title of the book : KAVYA KE RANG

:DR. LALITAJAIN (MUSIC Department) Author name

Institute Name : Govt Ripudaman College Nabha

: Rudra Parkashan, UP Publisher

: 978-81-942215-4-8 ISBN number

:2021 Year of publication

: 1. mohabat ka paigaam Poem Published

2. Nazam

3. Humsafar

4. Lekin pg66-70

Govt. Ripudaman College

NABHA